हिन्दी साहित्य अकादमी के अनुदान से हुआ. प्रतीक के निर्देशक हरवंश सिंह ने लेखक की अन्य कृतियों से अवगत कराया. अंत में 'प्रतीक आर्ट्स थिएटर' के कलाकारों ने नाटक 'जिसने लाहौर नहीं देखा' का रंग पाठ किया. इस नाटक में हिंदू-मुस्लिम एकता को बताया गया है. नाटक के लेखक असगर वजाहत हैं. इस रंग पाठ में शायर की भूमिका का पठन करने वाले कलाकार ताहिर खान तथा दादी माँ ज्योति शुक्ला ने सभी का दिल जीत लिया. डॉ. वसुधा सहस्रबुद्धे ने स्वागत किया. इच्छुक कलाकार हरवंश सिंह को टेलीफोन क्रमांक 4311647 पर संपर्क कर सकते हैं.

मुलुंड चेकनाका से रामप्रसाद यादव अपना ट्रक लेकर जा रहे थे, तभी एक रिक्शा ने उनका रास्ता रोका. रिक्शा से उतरे 2 लोगों ने यादव के साथ मारपीट की और उनके पास से 1500 रुपए छीन लिए. मारपीट के समय शोर-शराबे को सुनकर मोरे और वाघ ने भूषण धामणकर और सचिन जाधव को गिरफ्तार कर लिया.

जलालशाह बाबा का उर्स संपन्न

मुंबई, सं. चेंबूर के एल.यू. गडकरी मार्ग स्थित जलाल शाह बाबा की दरगाह पर उर्स मनाया गया. विधायक सैयद सुहैल अशरफ सहित कई लोग शामिल हुए.

में मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया था. इस पर मुख्यमंत्री ने दीवाली के पहले बोनस की समस्या हल करने का आश्वासन दिया था. लेकिन अब तक यह समस्या हल नहीं हो पाई है. राज्य में 88 हजार आंगनवाड़ी सेविका-सहायिकाओं को वर्ष 1995 से 97 रु. से 250 रुपए दिवाली के पहले दिया जाता रहा है.

डॉ. सूर्या पुरस्कृत

मुंबई, सं. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेचरोपैथी संस्था ने न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. निर्मल सूर्या को वर्तमान वर्ष के लिए 'कै. रामचंद्र विष्णु कोंडेकर स्वर्ण पदक 1998' से सम्मानित किया है. 2 अक्टूबर 1999 को बोरीवली स्थित सेंट हाईस्कूल में आयोजित इस पुरस्कार समारोह में पोद्दार आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के मुंबई के डीन डॉ. अनंत धर्माधिकारी अध्यक्ष के रूप में मौजूद थे. इस मौके पर डॉ. सूर्या ने 'अर्धशीशी' (माईग्रेन सिरदर्द) की जानकारी दी. समारोह का उद्घाटन शल्य चिकित्सक एम.पी. पुरोहित ने किया. इसकी मुख्य अतिथि स्कूल की प्राचार्य 'सीस्टर' एडविच थीं.

उत्तर भारतीय मंत्रियों को बधाई

मुंबई, सं. सिम्पल सेविंग एंड जनरल फाइनेंस इंडिया लिमिटेड के संचालक गुलाम अहमद खान ने महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में शामिल किए गए उत्तर भारतीय नेताओं मो. आरिफ नसीम खान, नवाब मलिक, कृपा शंकर सिंह को हार्दिक बधाई दी. गुलाम अहमद खान ने आशा व्यक्त की कि तीनों उत्तर भारतीय मंत्री अपने प्रांत के लोगों का समुचित ध्यान देते हुए उनके विकास का कार्य करेंगे.

डसी में विभिन्न नृत्य प्रस्तुत किए

को सफलतापूर्वक आगे ले जाने में नहीं करेंगी. उन्होंने सरस्वती वंदना मंगलाचरण से कार्यक्रम की मधुर शुरूआत की. राधाकृष्ण मिलन के प्रसंग को उड़िया गीत पर श्रृंगार पूर्ण प्रस्तुत कर दर्शकों में वाहवाही लूटी. तुलशीदास कृत रामचरित मानस की रचना पुष्प वाटिका प्रसंत नृत्य द्वारा दृष्यांकित करना रंजना की खासियत थी. फिर राम सवेरी में 'पल्लवी', सुरदास की रचना लूलाबाई और अंत में मोक्ष का प्रदर्शन ओडिसी नृत्य द्वारा कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया. रंजना हैदराबाद विश्वविद्यालय में शास्त्रीय संगीत नृत्य की शिक्षा देती है. उन्होंने यूरोप बर्लिन, खजुराहो महोत्सव आदि देश-विदेशों में कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए.

वाल्मीकि जयंती

के चित्रों में पूरा इतिहास का दर्शन